SMT. SANO VAMUZO

Smt. Sano Vamuzo is a social worker and an educationist. She is currently an Advisor to the Naga Mothers' Association (NMA), the first voluntary women's organization for all Naga women.

2 Born on 27th March, 1940 in Phek, Nagaland, Smt. Vamuzo received her Bachelor of Arts Degree from Gauhati University (1963), B.Ed. from Bombay University (1965), and M.A. (Education) from North-Eastern Hill University (1980). Mrs. Vamuzo taught at several schools and helped to start the erstwhile Mission English School (now Eastern Christian School, Chozuba, Phek district), serving as its first Headmistress (1967-71), and also as Headmistress, Baptist English School, Kohima (1972). She also taught at Baptist College, Kohima as lecturer (1982). Sano has also been actively involved in the Bharat Scouts and Guides.She served as the State Organizing Commissioner (G), Bharat Scouts & Guides Nagaland, Kohima (1972), and later as its Vice President for several years.

3. Smt. Vamuzo served as the founding President of NMA seven years (1984 - 1991), and again from 1994-1995. Smt. Vamuzo, with NMA transformed the face of social action in the state and inspired the northeast region, making a start in addressing a wide range of issues including women's rights, roles and empowerment, drug and alcohol abuse, education, health, economic exploitation, deforestation, etc. To cope with challenges of inter-factional conflicts, NMA has facilitated peace building and peacekeeping through its Peace Team under the banner, “Shed No More Blood.” Their efforts towards this end continue to this day. The NMA has served as a channel of communicating their mutual interests and encouraging human development through educating the masses for responsible and wholesome living. NMA was also entrusted by all Naga tribal women's organizations to represent them on the issue of 33% reservation for women in urban local bodies, and through its Joint Action Committee, it has spearheaded the issue. The bill has finally been passed in the Nagaland Legislative Assembly.

4. Smt. Vamuzo was appointed in January, 2007, as the first Chairperson of the Nagaland State Commission for Women (NSCW). She served for two consecutive terms (2007-2010 & 2010-2013). Besides these experiences and achievements, she was also actively engaged and involved with her husband, Late Vamuzo, the former Chief Minister of Nagaland throughout his political career, spanning more than three decades.

5. Smt. Vamuzo is the recipient of the Navjyoti Award from the Delhi Police Foundation for Outstanding Achievement in Social Services for the youth. The NMA was conferred the prestigious Sadin-Pratidin Achiever Awards 2023 in recognition of Outstanding Dedication and Commitment in the field of Social Service in January 2024.

श्रीमती सानो वमुजो

श्रीमती सानो वमुजो एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं। वर्तमान में वह नागा मदर्स एसोसिएशन (एनएमए) की सलाहकार हैं, जो सभी नागा महिलाओं के लिए पहला स्वैच्छिक महिला संगठन है।

2 श्रीमती वमुजो का जन्म 27 मार्च, 1940 को फेक, नागालैंड में हुआ। उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से कला स्नातक (1963), बॉम्बे विश्वविद्यालय से बी.एड. (1965), और नॉर्थ–ईस्ट हिल विश्वविद्यालय से एमए (शिक्षा) (1980) की पढ़ाई। श्रीमती वामुजो ने कई स्कूलों में अध्यापन किया और तत्कालीन मिशन इंग्लिश स्कूल (अब ईस्टर्न क्रिश्चियन स्कूल, चोजुबा, फेक जिला) शुरू करने में सहायता की। वह इसकी पहली हेडमिस्ट्रेस (1967–71) थी, और बैपटिस्ट इंग्लिश स्कूल, कोहिमा की भी हेडमिस्ट्रेस (1972) रहीं। उन्होंने बैपटिस्ट कॉलेज, कोहिमा में लेक्चरर (1982) के रूप में भी अध्यापन किया। सानो भारत स्काउट और गाइड में सक्रिय रही हैं। उन्होंने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स नागालैंड, कोहिमा राज्य संगठक आयुक्त (जी), (1972) के रूप में कार्य किया, और बाद में कई वर्षों तक इसकी उपाध्यक्ष रहीं।

3. श्रीमती वमुजो सात वर्ष (1984 – 1991) तक एन. एम. ए. की संस्थापक अध्यक्ष थीं और पुनः 1994 से 1995 तक इसकी अध्यक्ष थीं। उन्होंने एनएमए के माध्यम से राज्य में सामाजिक कार्य का चेहरा बदल दिया और महिलाओं के अधिकारों, भूमिकाओं और सशक्तीकरण, नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक शोषण, वनों की कटाई आदि सहित विभिन्न मुद्दों का समाधान करने हेतु पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस प्रेरणा का संचार किया। गुटीय संघर्षों की चुनौतियों का सामना करने के लिए, एनएमए ने "शेड नो मोर ब्लड" के बैनर के तहत अपनी शांति टीम के माध्यम से शांति लाने और स्थापित करने की पहल की। इस दिशा में उनके प्रयास आज भी जारी हैं। एनएमए ने आम लोगों को जिम्मेदार और समग्र जीवन की शिक्षा देकर उनके परस्पर हितों पर संवाद और मानव विकास को प्रोत्साहित करने के एक चैनल के रूप में कार्य किया है। नागा आदिवासी महिला संगठनों ने एनएमए को सभी शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के मुद्दे पर उनका प्रतिनिधित्व करने का दायित्व सौंपा था, और अपनी संयुक्त कार्य समिति के माध्यम से, इसने इस मुद्दे पर उनका प्रतिनिधित्व किया है। अंततः, यह विधेयक नागालैंड विधान सभा में पारित कर दिया गया है।

4. श्रीमती वमुजो को जनवरी 2007 में नागालैंड राज्य महिला आयोग (एनएससीडब्ल्यू) की पहली अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह लगातार दो कार्यकाल (2007–2010 और 2010–2013) के लिए इस पद पर रहीं। इन अनुभवों और उपलब्धियों के अलावा, उन्होंने अपने पति, स्वर्गीय वामुजो, नागालैंड के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ तीन दशक से अधिक समय तक उनके राजनीतिक करियर के दौरान सक्रिय रूप से सहयोग किया।

5. दिल्ली पुलिस फाउंडेशन ने सानो वमुजो को युवाओं के लिए सामाजिक सेवाओं में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए नवज्योति पुरस्कार से सम्मानित किया है। समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट समर्पण और प्रतिबद्धता को सम्मानित करते हुए जनवरी 2024 में एनएमए को प्रतिष्ठित सदिन–प्रतिदिन अचीवर पुरस्कार 2023 प्रदान किया गया।